उपकृतिरेव खलानां दोषस्य गरीयसो भवति हेतुः।
अनुकूलाचरणेन हि कुप्यन्ति व्याधयोऽत्यर्थम्॥
दुष्ट व्यक्तियों का उपकार करना भी बहुत बड़े दोष का कारण बन जाता है। व्याधि के अनुकूल आचरण करने से व्याधियां और कुपित हो जाती हैं।

सुप्रभात

अमर उजाला
my city
लखनऊ

फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी विक्रम संवत 2074

सोमवार • 26.02.2018

07 आईसीएआई का परिणाम जारी, छह युवा बने सीएमए

Lucknow.amarujala.com

अध्यात्म व सामाजिक संयोग से व्यापार में सुगमता संभव

लखनऊ। आईआईएम लखनऊ के प्रो. हिमांशु राय ने कहा है कि सही व्यवसाय केवल अध्यात्म और सामाजिक संयोग से ही संभव है। स्वयं की चेतना को जागरूक करना ही अध्यात्म है। जिस काम में लज्जा, भय और शंका न हो वही काम सही है। वे एसएमएस में 'व्यापारिक तालमेल बढ़ाने में सामाजिक, आध्यात्मिक व तकनीकी आयाम का महत्व' विषयक राष्ट्रीय कांफ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहन राधा ने कहा कि अध्यात्म ही जीवन का आधार है। यदि अध्यात्म और व्यापार आपस में तालमेल बिठा लें तो व्यापारिक आयाम को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभ्य व सुसंस्कृत समाज अध्यात्म की ही देन है। उसी समाज में उन्नत व्यापार फल-फूल सकता है। एसवाई सिद्दीकी ने कहा कि व्यापार जगत को अध्यात्म से जुड़ना होगा तभी किसी समाज में खुशहाली आएगी। समापन सत्र को शरद सिंह, विजय सिन्हा, संजय सिंह, डॉ. सीएम द्विवेदी, प्रो. भरत राज सिंह, टीपी सिंह ने संबोधित किया। ब्यूरो

व्यवसायिक गतिविधि